माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

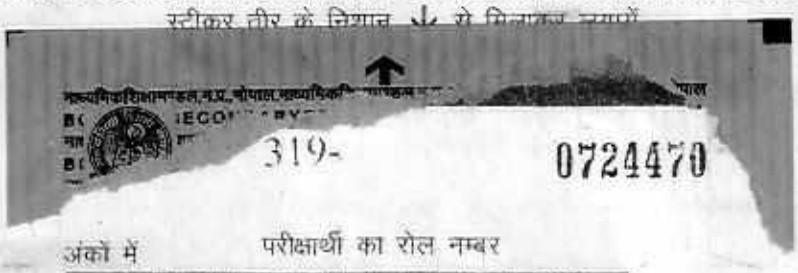

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

२	2	9	5	6	2	6	6	3	0

शब्दों में

२	दो	नौ	पाँच	छः	दो	छः	छः	तीन	शून्य

[redacted]

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :— पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :— परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग :— परीक्षा का दिनांक 28 | 03 | 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 561020

हायर सेकण्डरी परीक्षा-

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
श्रीमती जयंती नवलकर (हस्ताक्षर) 28/03/19	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की ... एवं अको का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, ... र, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मु...

उप मुख्य परी... | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मु...

N ...aniya
R.No.012287

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों ...

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त...
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		

...कुल प्राप्तांक अंकों में

desmat Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

② [ ] + [ ] = [ ]

...न पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 2 के अंक   कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 01

(अ)
उ. अमेरिका ।

(ब)
उ. चीन ।

(स)
उ. असम ।

(द)
उ. 1975 ।

(इ)
उ. अहमदाबाद ।

B
S
E

प्र. क्र. 2

(i) हुगली औद्योगिक क्षेत्र ।

(ii) एकता ।

(iii) ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग ।

(iv) मैंगनीज ।

(v) वायु परिवहन ।

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

(प्र. क्र. 3)

(i)
उ. गाँधी फ़ार्म ।

(ii)
उ. अरूणाचल प्रदेश ।

(iii)
उ. हजीरा - विजयपुर- जगदीशपुर गैस पाइपलाइन ।

(iv)
वह बस्ती जो अवैध रूप से भू - भाग पर बसाई जाती है, साथ ही पेयजल, स्वच्छता व आवास की समस्याओं से ग्रसित होती है, मलिन बस्ति कहलाती है।

(v)
उ. ग्रामीण ... तियाँ एवं वासगृह (एकाकी बस्ति) कृषि आधारित बस्ति होती है।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र. (प्र. क्र. 4)

(अ) पर्यटन नगर - नैनीताल।

काली मिट्टी - कपास।

(स) कृषि वृहद - संयुक्त राज्य अमेरिका।

(द) ज्वारीय बंदरगाह - कांडला।

(इ) बहरापन - ध्वनि प्रदूषण।

B
S
E

(प्र. क्र. 5) 'अथवा'

उ. भूगोलवेत्ता निम्न हैं-

1.

सेम्पल

3. विडाल-डी-ला ब्लाश,

4. जीन ब्रून्श।

(प्र. क्र. 6) 'अथवा'

'रेखीय प्रतिरूप'

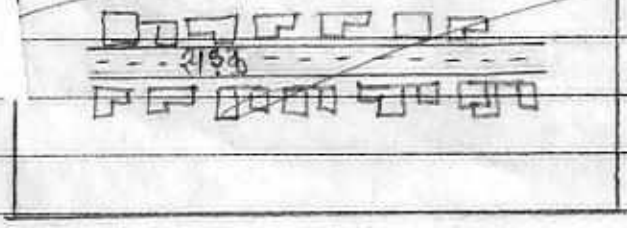

योग पूर्व पृष्ठ ... पृष्ठ ... अंक

प्रश्न क्र.

(प्र. क्र. 7)

3. जल प्रदूषण के प्रमुख कारण निम्न है-

1. औद्योगिक अपशिष्टों का नदियों तालाबों, झीलों में निस्तारण,

कीटनाशक, रासायनिक पदार्थों का कृषि में उपयोग होना जिससे भू-जल प्रदूषित होता है।

(प्र. क्र. 8)

3. जल संसाधन की प्रमुख समस्याएँ निम्न है-

1. जल का अत्यधिक अपव्यय :- भारत में जल संसाधन की प्रमुख समस्या उसका बड़ी मात्रा में अपव्यय है, जिससे आवश्यकता के लिए जल शेष नही बचता।

2. जल के लवणीय होने की समस्या :- भारत में जल संसाधन मे लवणीयता की मात्रा ग्रीष्मकाल में बढ़ जाती है, जिससे अनेकों समस्याएँ उत्पन्न होती है।

जल के प्रदूषण की समस्या :- जल संसाधन का प्रदूषण स्तर बढ़ता ही जा रहा है। भारत में लगभग 80% जल सामान्य रूप से प्रदूषित है।

प्रश्न क्र.

प्र. क्र. 9

उ. एक अच्छे बंदरगाह की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है-

1. एक अच्छा बंदरगाह अपने पृष्ठ प्रदेश से परिवहन के साधनों से जुड़ा होना चाहिए,

2. एक अच्छा बंदरगाह वर्ष के अधिकांश समय व्यापार हेतु खुला होना चाहिए,

3. एक बंदरगाह का धरातल कठोर एवं समुद्र तल गहरा होना चाहिए,

4. वहाँ पर गोदामों पत्तनों व डॉक्स की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

प्र. क्र. 10

उ. दूरदर्शन के प्रमुख महत्त्व निम्न है-

1. दूरदर्शन जनसंचार का बेहद उपयोगी साधन है, इसके द्वारा सूचना तकनीकी के क्षेत्र में क्रांति आ गई है,

2. इसके द्वारा जनसामान्य को समाचार, उपयोगी जानकारी व सूचनाएं सरलता से संप्रेषित की जा सकती है,

प्रश्न क्र.

3. यह सांस्कृतिक विचारों के आदान-प्रदान का मंच है, जो सांस्कृतिक विकास में सहायक है,

इस साधन के द्वारा आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक क्षेत्रों में क्रान्ति आ गई है।

(प्र. क्र. 11) 'अथवा'

3. ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या में प्रमुख अंतर निम्न है –

क्र.	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1.	ग्रामीण जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न रहती है।	नगरीय जनसंख्या द्वितीयक व तृतीयक कार्यों में संलग्न रहती है।
2.	ग्रामीण जनसंख्या प्राचीन जीवनशैली में जीवन-यापन करती है।	नगरीय जनसंख्या आधुनिक जीवन शैली में जीवन यापन करती है।
3.	ये जनसंख्या सामाजिक व पारिवारिक संबंधों में प्रगाढ़ता रखती है।	ये जनसंख्या सामाजिक व पारिवारिक संबंधों में औपचारिकता रखती है।
.	ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत विकासशील देशों में ज्यादा होता है,	जबकि नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत विकसित राष्ट्रों में अधिक होता है।

निरंतर

प्रश्न क्र.

	भारत, चीन, ब्राजील जैसे देशों में ग्रामीण जनसंख्या अधिक है।	ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में नगरीय जनसंख्या अधिक है।

'प्र. क्र. 12 / 'अथवा'

3. अंतर निम्नानुसार है-

B
S
E

क्र.	कुटीर उद्योग	वृहत उद्योग
1.	यह उद्योग अत्यल्प पूंजी व कुछ हस्तचलित यंत्रों से चलाए जाते हैं।	यह उद्योग विशाल पूँजी, बड़ी यांत्रिकी व श्रम शक्ति से चलाए जाते हैं।
2.	इनमें विनियोग सीमा 50 लाख तक है।	इनमें विनियोग 5 करोड़ से आरंभ होता है।
	इनमें उत्पादन कम मात्रा में स्थानीय उपभोग हेतु होता है।	इनमें उत्पादन वृहत् मात्रा में निर्यात हेतु होता है।
4.	इनमें कार्य प्रायः घर के लोगों द्वारा होता है।	इनमें उत्पादन, प्रबंधन, वितरण आदि श्रम-विभाजन से निर्धारित होते हैं।

क्र.		
5.	प्रमुख कुटीर उद्योग –	प्रमुख वृहत् उद्योग –
	दिया सलाई गलीचे बनाना, कुल्फी बनाना आदि।	1. लोहा इस्पात उद्योग 2. सीमेण्ट उद्योग आदि।

'प्र. क्र. 13/ अथवा'

उ. जल परिवहन के प्रमुख महत्व निम्नानुसार है –

1. औद्योगिक विकास का आधार :– जल परिवहन में विकास के कारण ही आज देशों का औद्योगिक विकास हुआ है। निर्मित माल का निर्यात व कच्चे माल का आयात पूर्णत: जल परिवहन के विकास पर ही निर्भर है।

2. विदेशी व्यापार में महत्व :– आज समस्त राष्ट्र विदेशी व्यापार के माध्यम से धनार्जन कर रहे है। यह विदेशी व्यापार अधिकांशत: समुद्री मार्गों से होता है, इसी कारण जल परिवहन आज व्यापार की रीढ़ बन गया है।

3. सर्वाधिक सस्ता साधन :– जल परिवहन परिवहन का सबसे सस्ता साधन है। इसके माध्यम से बड़ी मात्रा में माल ढुलाई संभव है। जल मार्ग प्राकृतिक होते है एवं इनका प्रयोग कोई भी देश कर सकता है।

निरंतर

प्रश्न क्र.

4. माल ढुलाई की अधिक क्षमता :- जल परिवहन में अन्य साधनों की तुलना में माल ढुलाई की अधिक क्षमता होती है। यह साधन वायु परिवहन की तुलना में 50 गुना अधिक भार ढो सकता है।

समुद्री संसाधनों का विदोहन :- समुद्र में स्थित मूल्यवान खनिजों का विदोहन जल परिवहन से ही संभव है।

प्र. क्र. 14

3. भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारण निम्न है -

1. कम आयु में विवाह :- भारत में जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण यहाँ कम आयु में विवाह कर दिया जाता है, जिससे संतानोत्पत्ति दर अधिक रहती है।

२. निर्धनता व निरक्षरता :- भारत में व्यापक निर्धनता है, लोग अधिक बच्चों को इसी कारण जन्म देते है क्योंकि वे अधिक लोगों से अधिक आय प्राप्त होगी, ऐसा मानते है। यहाँ निरक्षरता के कारण जनसंख्या वृद्धि को पर्याप्त प्रोत्साहन मिला।

प्रश्न क्र.

3. मनोरंजन साधनों की कमी :- मनोरंजन साधनों का अपर्याप्त विकास भी जनसंख्या वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। मनोरंजन के अभाव मे लोग संतान वृद्धि करते है।

4. परिवार नियोजन के प्रति उदासीनता :- भारत मे परिवार नियोजन के प्रति उदासीनता है। लोग परिवार नियोजन के लाभों से अनभिज्ञ एवं वे इसका हिस्सा नही बनना चाहते है।

प्र.क्र. 15 अथवा

उ. वनो के अप्रत्यक्ष लाभ निम्न है -

1. जलवायु संतुलन :- वन जलवायु में समशीतोष्णता बनाए रखते है। इन्हीं के कारण जलवायु में परिवर्तन नही होता है। सदाबहार व पर्णपाती वन क्षेत्र की जलवायु भी संतुलित रहती है।

2. बाढ़ व सूखे पर नियंत्रण :- वनो के द्वारा ही बाढ़ का पानी मंद गति से नदियों मे पहुँचता है। यह बाढ़ नियंत्रण कर व्यापक क्षति को रोकते है, साथ ही भूमिगत जल में वृद्धिकर सूखे से बचाते है।

3. जीवनदायी गैस (O_2) के दाता :- वृक्षों से ही हमें ऑक्सीजन गैस प्राप्त होती है। ये प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के दौरान (CO_2) को ग्रहण कर ऑक्सीजन गैस छोड़ते है।

निरंतर

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

4. भू - अपरदन में कमी :- वृक्षों के द्वारा ही मिट्टी का कटाव रुकता है। पेड़ों की जड़ें गहराई में जाकर मिट्टी को बांधे रखती हैं।

वृक्ष वर्षा करने में सहायक :- वृक्ष बादलों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इस प्रकार वे वर्षा में सहायक हैं।

प्र. क्र. 16 / 'अथवा'

B S E

उ. जापान एक विकसित राष्ट्र है, यहाँ सूती वस्त्र उद्योग का केन्द्रण यवाता, नागासाकी, टोक्यो मे है।

सूती वस्त्र उद्योग के विकास के प्रमुख कारण :-

1. समुद्री जलवायु :- जापान में समुद्र तटीय उद्योग केन्द्रों के कारण वहा विशेषतः समुद्री जलवायु रहती है। इसी कारण इस उद्योग का विकास वहा हो पाया।

2. तकनीकी विकास :- जापान के तकनीकी विकास के कारण ही वहा के वस्त्र उद्योग ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सफलता पाई है। अति-उच्च तकनीकी व मशीनों का प्रयोग ही वहा वस्त्र उद्योग के विकास का कारण है।

प्रश्न क्र.

3. कुशल श्रमिकों की आपूर्ति :- जापान में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के लिए बड़ी मात्रा में कुशल श्रमिकों की आपूर्ति निश्चित रही है। जिस कारण वहां उद्योग का विकास संभव हो पाया है।

4. समुद्री बंदरगाहों से निकटता :- जापान में अधिकांश उद्योग केन्द्र समुद्री बंदरगाहों से अत्यंत निकटता से बसे हैं। इसी कारण वहां आयात-निर्यात में सुगमता है।

5. पूर्णतः मशीनीकरण :- जापान में बड़े पैमाने पर मशीनीकरण का सहारा लिया गया है ऐसा करने से उद्योग में प्रति इकाई लागत कम बैठती है।

6. बाजारों की समीपता :- जापान में उद्योग के लगने व विकास का प्रमुख कारण बाजारों की समीपता भी रहा है। अमेरिका, चीन, यूरोप व द.पू. एशिया के बाजार समीप ही स्थित है।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 14 के अंक   कुल अं.

प्रश्न क्र.

(प्र. क्र. 18)

उ. भारत में चाय एक मुख्य बागानी उपज है, इसकी खेती मुख्यतः वर्षा प्रधान क्षेत्रों में की जाती है।

चाय उत्पादन की प्रमुख भौगोलिक दशाएँ निम्न है–

1. जलवायु,
2. तापमान,
3. वर्षा की मात्रा,
4. धरातल
5. श्रमिकों की आपूर्ति,
6. मिट्टी।

जलवायु:– चाय एक वर्षा प्रिय पौधा है। इसकी खेती के लिए आर्द्र उष्ण जलवायु की आवश्यकता है। यह समुद्री व पर्वतीय दोनों जलवायु में उग सकती है। इसका पौधा सहनशील होता है।

तापमान:– चाय के उत्पादन के लिए 20° सेल्सियस से 25° से. तापमान आदर्श है। इससे अधिक तापमान इसे नुकसान पहुँचा सकता है। चाय को कोहरा नुकसान पहुँचता है, लेकिन इसकी झाड़ी पाला सहन कर सकती है।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

वर्षा की मात्रा :— यह एक आर्द्रता प्रिय पौधा है इसकी खेती के लिए 150 से २०० सेमी वर्षा वाले भाग आदर्श होते हैं। कम वर्षा वाले भागों मे इसकी खेती सिंचाई से संभव है।

धरातल :— चाय की खेती के लिए ढलवा क्षेत्र होना आवश्यक है क्योंकि चाय की जड़े पानी के जमा होने से खराब हो जाती है। इसी कारण चाय के बागान 1500-२००० फीट की ऊँचाई तक लगाए जाते हैं।

श्रमिकों की आपूर्ति :— चाय की खेती में सस्ते, कुशल श्रमिकों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इसके पौधों से पत्तियाँ चुनने का कार्य सावधानीपूर्वक हाथों से होता है। इस कारण बड़ी मात्रा मे श्रमिकों की ...श्यकता रहती है।

:— चाय की खेती मे मिट्टी की गुणवत्ता का बड़ा महत्त्व है। चाय का स्वाद मिट्टी की गुणवत्ता निर्भर करता है। इस कारण मिट्टी का विशेष ...व है।

निरंतर

योग पूर्व पृष्ठ | पृ० 19 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E

प्रश्न क्र. (प्र० क्र. 14) का शेष

उ.

5. अंधविश्वास :— भारत में लोग अंधविश्वासी होते हैं, वे पुत्र प्राप्ति की प्र— के कारण अधिक संतान उत्पन्न करते हैं।

प्र० क्र. 'अथवा'

World Map